अब वापिस घर जाना ,पूरा हुआ नाटक
सतयुग आना फिर, कलयुग का हुआ अंत
आत्मा अब थक गयी पार्ट बजाते -बजाते
भक्ति करते,पैसा खर्च करते और धक्के खाते
बाप आया सब थकावट मिटाने
आत्मा तमोप्रधान हो दुखी हो पुकारे
बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले की याद रखो
जो आप सामान बना श्रीमत पर सर्विस करते
वो बच्चे ही बाप के फिर दिल पर चढ़ते
महावीर बच्चे पेपर देख नही घबराते
वो तो कल्प-कल्प के विजयी होते
आशीर्वाद दो, कृपा करो, शक्ति आदि नही मांगते
दुश्मन का वो तो आह्वान करते
समय कहता--सामान बनो संपन्न बनो

ॐशांति!!!
मेरा बाबा!!!